



DSSSB + SSC MTS



दफ्तरी बैच & WINNER BATCH

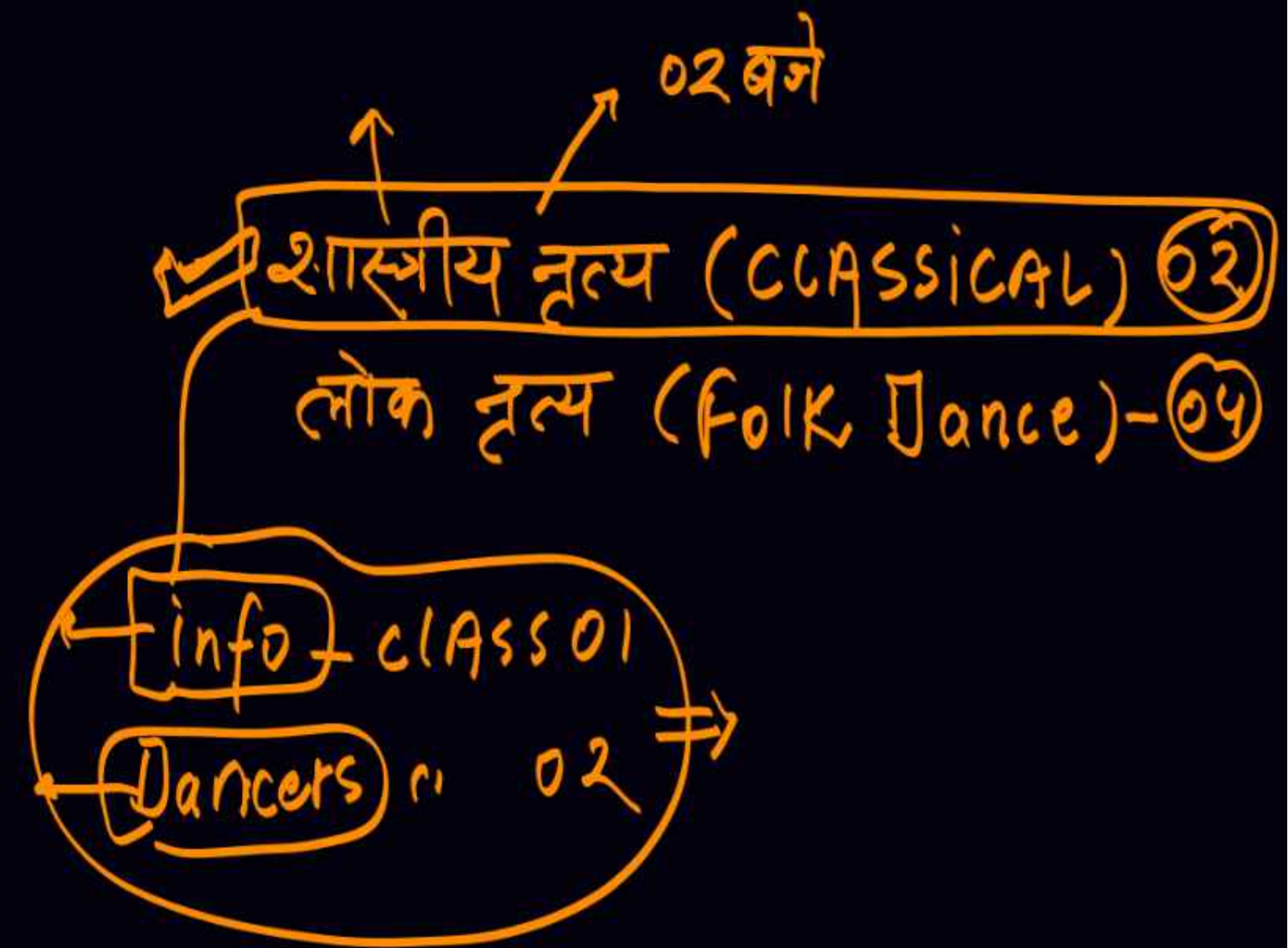
STATIC G.K

Classical Dance

शास्त्रीय नृत्य



LIVE 20-03-2024 12:00 PM



शास्त्रीय नृत्यविधाएँ (CLASSICAL DANCE)

- शास्त्रीय नृत्य के बारे में जानकारी भरत मुनि के नाट्य शास्त्र में मिलती है।

Book

Information about classical dance is found in Bharat Muni's Natya Shastra.

पंचम वेद माना जाता है

- शास्त्रीय नृत्यों की कुल संख्या 8 है।

Imp

The total number of classical dances are 8.

→ संस्कृति मंत्रालय के अनुसार — 9 (9 वां छऊ)

→ संगीत नाटक अकादमी — 8

→ स्थापना — 28 जनवरी 1953 (दिल्ली)

- छऊ को अर्द्धशास्त्रीय नृत्य भी कहा जाता है।

M. 2018

शास्त्रीय नृत्य (Classical Dance)

सम्बन्धित राज्य (State)

- 1- भरतनाट्यम **Bharatanatyam** → तमिलनाडु **Tamil Nadu**
↳ सबसे पुराना
- 2- ओडिसी **Odysey** → ओडिसा **Odisha**
- 3- मणिपुरी **Manipuri** → मणिपुर **Manipur**
- 4- कुचिपुड़ी **Kuchipudi** → आन्ध्र प्रदेश **Andhra Pradesh**
- 5- कथक **Kathak** → उत्तर प्रदेश **Uttar Pradesh**
- 6- कथकली **Kadhakali** → केरल **Kerala**
- 7- मोहिनीअट्टम **Mohiniyattam** → केरल **Kerala**
- 8- सत्रिया **Sattriya** → असम **Assam**
↳ सबसे नया (2000 में जुड़ा)
- 9- छऊ **Chhau** → पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, ओडिशा **WB, JH, Odisha**
↳ 2010 में यूनेस्को में शामिल

1 भरतनाट्यम —

Imp

इसका पुराना नाम सादिर था।

Its old name was Sadir.

अन्य नाम — दासी अट्टम (Dasi Attam)

अग्नि नृत्य (Fire Dance)

जानकारी — 2 Books

1. शिल्पादिकारम

2. अभिनय दर्पण

यह मंदिरों को समर्पित है।

It is dedicated to temples.

नृत्य का आरम्भ "आलारिपु" से होता है

The dance begins with "Alaripu".

Imp

कन्या



"कटका मुख हस्त मुद्रा" इसमें 3 अंगुलियों को जोड़कर " ॐ " का प्रतीक निर्मित किया जाता है।

"Katka Mukha Hasta Mudra" In this, the symbol of "Om" is formed by joining 3 fingers.

Imp नृत्य का अंत **"तिल्लाना (थिलाना)"** पर होता है

The dance ends on "Tilna".

Imp **नट्टूवार** भरतनाट्यम में कविता पाठ करता है

Nattuvār recites poetry in Bharatanatyam

धुन के लिए **कर्नाटक संगीत** का प्रयोग होता है, और एकल कलाकार द्वारा विभिन्न भूमिकाओं को दर्शाया जाता है जिसे **"एकाहार्य"** कहा जाता है

Karnatka music is used for the tune, and various roles are performed by a solo artist called "Ekaharya"..

भारतीय संगीत के दो भाग

- ❖ उत्तर भारत — हिन्दुस्तानी संगीत ✓
- ❖ दक्षिण भारत — कर्नाटक संगीत ✓

नृत्य में प्रयोग वाद्ययंत्र — मृदंगम, वीणा, बांसुरी, आदि



2

ओडिसी —

→ भगवान कृष्ण से संबंध है।

There is relation with Lord Krishna.

→ यह त्रिभंग मुद्रा में किया जाता है

It is done in Tribhanga Mudra

→ इसे ओरीली भी कहा जाता है।

It is also called Orili.

→ इसकी शुरुआत "मंगलाचरण" से और अन्त "मोक्ष" पर होता है

It begins with "Manglacharan" and ends with "Moksha".

"मंगलाचरण" — पृथ्वी माता को पुष्प अर्पित

"मोक्ष" — थारिझम नृत्य से



ओडिसा

- नृत्य उदाहरण – उदयगिरि – खंडगिरि गुफा

Dance Example - Udayagiri - Khandagiri Cave

- मुख्यतः महारियों द्वारा किया जाने वाला नृत्य

dance performed mainly by Maharis

- नृत्यांगनाएँ शरीर से जटिल 'ज्यामितिय पैटर्न' बनाती हैं। इसे सचल मूर्ति कहा जाता है।

Dancers create intricate geometric patterns with their bodies. This is called a moving idol.

- यह नृत्य 'जल तत्त्व' का प्रतीक है

This dance symbolizes the 'water element'

- प्रयोग वाद्ययंत्र, मंजीरा, पखावज, ढोल सितार

Musical instruments: Manjira, Pakhawaj, Dhol, Sitar

3

मणिपुरी –

यह वैष्णव सम्प्रदाय से संबंधित है।

It is related to the Vaishnava sect.

भगवान श्री कृष्ण के बाल्यकाल की कहानियाँ दर्शायी जाती हैं

Stories from the childhood of Lord Shri Krishna are shown

इसकी तीन प्रमुख शैलियाँ हैं — लाई हरोबा, संकीर्तन और रासलीला

It has three main styles - Lai Haroba, Sankirtan and Rasleela.

इसमें पेना वाद्ययंत्र का प्रयोग किया जाता है

Pena instruments are used in this



→ नृत्य, वाद्ययंत्र बजाना, गाना गाना एक ही व्यक्ति द्वारा किया जाता है इसे "पंग चोलेम" कहा जाता है

Dancing, playing instruments, singing is done by the same person it is called "Pang Cholem"

→ (जागोई + चोलेम) मणिपुरी के 2 प्रमुख भाग हैं

(Jagoi + Cholem) are the 2 major parts of Manipuri

→ इसमें 64 तालों का प्रयोग होता है

64 locks are used in this

→ नागबंध मुद्रा – जिसमें शरीर 8 के आकार में वक्रों के माध्यम से जुड़ा होता है

Nagabandha Mudra – in which the body is connected through curves in the shape of 8

4

कुचिपुड़ी

आन्ध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के एक गाँव कुचैलापुरम के नाम पर रखा



यह भाषण (माइम) और शुद्ध नृत्य को जोड़ता है।

It is a question of speech (Maem) and pure dance.

भागवत, पुराण को आधार माना जाता है

Bhagwat, Purana is considered as the basis

Imp पीतल की तश्तरी में पैर रखकर नृत्य करने का प्रचलन है। इसे तरंगम कहते हैं।

There is a tradition of dancing by placing one's feet in a brass plate.

This is called Tarangam.

इसमें कर्नाटक संगीत पेश होता है।

It features Karnatka music.

→ सिद्धेंद्र योगी को कुचिपुडी का आदि गुरु माना जाता है *Imp*
Siddhendra Yogi is considered the Adi Guru of Kuchipudi.

Imp → नर्तकों को भागवतालु के नाम से जाना जाता है।
The dancers are known as Bhagavatalu.

→ सोल्लाकद या पताक्षर — इस नृत्य भाग में शरीर की हरकतें शामिल
Sollakad or Patakshar — This dance part involves body movements

→ कावुत्वम — इसमें व्यापक कलाबाजियाँ (हवाई करतब) सम्मिलित होती हैं।
Kaavutvam — Involves elaborate acrobatics (aerobatics).

→ मंडूक शब्दमः एक मेंढक की कहानी को कहता है।
Manduk Shabdham: Tells the story of a frog.

→ जल चित्र नृत्यम — इसमें कलाकार अपने पैर के अँगूठों से सतह पर चित्र बनाते हैं।

Jal Chitra Nrityam - In this the artist makes pictures on the surface with his toes.

→ पुरुष कलाकारों की पौशाक को बगलबंदी कहा जाता है।
The costume of male artists is called Bagalbandhi.

5

N-अकेला

कथक —

Imp

अन्य नाम — नटवरी

यह राधा कृष्ण की कथाओं पर आधारित है।

It is based on the identity of Radha Krishna.

घुंघरू और चक्कर इस नृत्य की प्रमुख विशेषताएं हैं।

Ghungroo and Chakkar are the main features of this dance

एक कहानी सुनाने के लिए इस नृत्य का प्रयोग होता है। इसे पढ़ंत कहा जाता है। This dance is used to tell a story. This is called reading.

कथक नृत्य की वेशभूषा अनारकली या लम्बी कमीज चूड़ीदार के साथ होती है। Kathak dance costumes are anarkali or long shirt with churidar.

Imp

यह नृत्य लखनऊ घराना, जयपुर घराना, बनारस घराना, और रायगढ़ घराना शैली में किया जाता है This dance is performed in Lucknow

Gharana, Jaipur Gharana, Banaras Gharana style.



Imp

कथक की शास्त्रीय शैली को 20वीं शताब्दी में 'लेड़ी लीला सोखे' के द्वारा पुर्नजीवित किया गया।

The classical style of Kathak was revived in the 20th century by 'Ledi Leela Sokhe'.

6

कथकली — केरल

पुरुषों द्वारा by male

रामायण, महाभारत इसके आधार है

Ramayana, Mahabharata is its foundation stone

नायक — पाचा Hero - Pacha

खलनायक — कथी Villain - Kathi

इसमें चेहरे का हाव—भाव का प्रदर्शन किया जाता है
it has facial expressions

नाट्य स्थान (थियेटर) कुट्टमपालम कहलाता है।

Dance place (theater) is called Kuttampalam.



→ कथकली नृत्य में 24 मुख्य मुद्रा होती है।

There are 24 main postures in Kathakali dance.

→ इसमें 3 संगीत वाद्ययंत्र इडक्का, चिंदा और मडालाम का प्रयोग होता है।

In this 3 musical instruments Idakka, Chinda and Madalam are used.

→ कथकली आकाश तत्त्व का प्रतीक है।

Kathakali symbolizes the sky element.

Imp → कथकली गीतों के लिये प्रयुक्त भाषा 'मणिप्रवलम' अर्थात् मलयालम और संस्कृत का मिश्रण The language used for Kathakali songs is

'Manipravalam' i.e. a mixture of Malayalam and Sanskrit.

→ गीतों के शब्दों को अट्टकथा कहा जाता है। The words of the songs are called Attakatha.

Imp

अलग—अलग पात्रों के लिए चेहरे के सुपरिष्कृत शृंगार के साथ सिर की टोपी का उपयोग किया जाता है। शृंगार या वेशम पाँच प्रकार का होता है — पाचा, काठी, थड़ी, कारी और मिनुक्कू अलग—अलग रंगों के शृंगार में अपना महत्त्व होता है।

Headgear is used for different characters along with elaborate facial makeup.

There are five types of adornment or Vesham – Pacha, Kathi, Thadi, Kari and Minukku. Different colors of adornment have their own importance.

❖ हरा रंग कुलीनता, देवत्व और सद्गुण इंगित करता है।

Green color indicates nobility, divinity and virtue.

❖ नाक की बगल में लाल धब्बे राजसी गौरव इंगित करता है।

The red spot next to the nose indicates royal pride.

❖ बुराई और दुष्टता इंगित करने के लिए काले रंग का उपयोग किया जाता है।

Black color is used to indicate evil and wickedness.

❖ पीला रंग संतों और महिलाओं के लिए होता है।

Yellow color is for saints and women.

❖ पूरी तरह लाल रंग से पुता चेहरा बुराई इंगित करता है।

A face painted entirely red indicates evil.

❖ सफेद दाढ़ी उच्चतर चेतना और देवत्ववाले प्राणियों को इंगित करती है।

White beard indicates beings with higher consciousness and divinity.

7

केरल

मोहिनीअट्टम —

मोहिनी — सुंदर स्त्री
अट्टम — नृत्य

एकल महिला द्वारा
by single woman

बालों में चमेली के सफेद फूल लगाये जाते हैं।

White flowers of jasmine are applied in the hair.

इस नृत्य में केरल कसावु साड़ी पहनी जाती है।

Kerala Kasavu saree is worn in this dance.

इस नृत्य का उल्लेख "व्यवहारमाला" नामक प्राचीन ग्रंथ में किया गया है

This dance has been mentioned in an ancient text named 'Vyavahamala'.

विष्णु के स्त्रैण रूप की कहानी शामिल है।

Contains the story of the feminine form of Vishnu.

इसमें भी मणिप्रवलम भाषा का प्रयोग

Manipravalam language is also used in this



8

सत्रिया —

अरुम

Imp

इसको वर्ष 2000 में शामिल किया गया है।

It has been included in the year 2000.

इसकी खोज लगभग 500 वर्ष पूर्व हुई।

M. Imp

संस्थापक "श्रीमत शंकर देव"

Founder "Shrimat Shankar Dev"

अरुम

सत्रिया को "अंकियानाट" के प्रदर्शन के लिए लाया गया।

Satriya was brought in to perform "Ankiyaanat".

जब इस नृत्य को पुरुष करता है तो "भांगी" और जब स्त्री करती है तो "सीमंगी"

कहलाता है, त्योहारों पर यह नृत्य भोकोत (पुरुष भिक्षुओं) द्वारा किया जाता है। भोकोट

When this dance is performed by a man, it is called "Bhangi" and when performed by a woman, it is called "Seemangi". On festivals, this dance is performed by Bhokot (male monks).

इसमें बोरगीत संगीत का प्रयोग होता है Borgeet music is used in this

नृत्य का 'भाओना' भाग — भगवान कृष्ण की कहानियों पर आधारित



अरुम